रघुराम राजन: वित्तीय विशेषज्ञ

50 वर्षीय रघुराम राजन सितम्बर में भारतीय रिज़र्व बैंक के 23वें गवर्नर के रूप में पदभार संभालने वाले सबसे युवा गवर्नर में से एक हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के नए गवर्नर के सामने मुख्य नई चुनौतियां:

(i) विदेशी मुद्रा बाज़ार में स्थिरता लाना, अस्थिरता को कम करना
(ii) बाहरी क्षेत्र का प्रबंधन
(iii) वृद्धि दर को बढ़ाना, मूल्यों को नियंत्रित करना
(iv) नए बैंकिंग लाइसेंस
(v) उभरती वैश्विक चुनौती को देखते हुए आरबीआई को नई दिशा देना

संक्षिप्त जानकारी

3 फरवरी, 1963 को भोपाल में जन्म; पिता नौकरशाह, पत्नी राधिका राजन (आईआईएम में एक साथ शिक्षा)
1985 में आईआईटी-दिल्ली से इलेक्ट्रौनिक इंजीनियरिंग में स्नातक, स्वर्ण पदक विजेता

1987 में आईआईएम (अहमदाबाद) स्नातक, स्वर्ण पदक विजेता

1991 में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलिजी से पीएचडी पूरी की । उनका पेपर: एसेएज़ ऑन बैंकिंग (बैंकिंग पर निबंध)
अक्तूबर 2003-2007 विकासशील देश से पहले और आईएमएफ के सबसे युवा मुख्य अर्थशास्त्री

जनवरी 2003 को अमेरिकी वित्त संघ ने पहला फिस्चर ब्लैक पुरस्कार राजन को प्रदान किया। यह पुरस्कार हर दो साल में 40 साल से कम उम्र के वित्तीय अर्थशास्त्री को दिया जाता है जिसने वित्त संबंधी सिद्धांत और कार्य प्रणाली में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।

2005 में वैश्विक अर्थव्यवस्था पर जोखिम के संबंध में चिंता जताते हुए लिखा। यह 2008 में वैश्विक वित्तीय संकट में सही साबित हुआ।

नवंबर 2008 में प्रधानमंत्री ने उन्हें मानद आर्थिक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया। वित्तीय क्षेत्र में सुधारों के बारे में समिति की अध्यक्षता की, जिसकी रिपोर्ट 2008 में सौंपी।

10 अगस्त, 2012 को मुख्य आर्थिक सलाहकार नियुक्त। उन्होंने कौशिक बसु का स्थान लिया।

आरबीआई के गवर्नर के रूप में उनकी नियुक्ति पर विशेषज्ञों की राय

रघु की उत्कृष्ट शैक्षिक पृष्ठभूमि है तथा उन्हें भारतीय आर्थिक और वित्तीय व्यवस्था की अच्छी समझ है। वह आरबीआई का अच्छे ढंग से नेतृत्व करेंगे।
सी रंगराजन, अध्यक्ष, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद

वह वित्तीय अर्थशास्त्र के सबसे उत्कृष्ट जानकारों में से एक है जो कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यह एक बहुत ही बढ़िया नियुक्ति है।
मोंटेक सिंह अहलूवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग

राजन एक काफी अनुभवी और उत्कृष्ट अर्थशास्त्री हैं। वह अर्थव्यवस्था के समक्ष समस्याओं का मुकाबला करेंगे।

डॉ. बिमल जलान, पूर्व आरबीआई गवर्नर

वह आईआईएम-ए में मेरे पहले बैच में थे। वह हमेशा से ही एक श्रेष्ठ विद्यार्थी थे, जिन्हें हमेशा 'ए' ग्रेड मिला।

प्रो. रविन्द्र ढोलकिया, आईआईएम अहमदाबाद

पूर्व आरबीआई गवर्नर

(1)	**सर ओसबॉर्न ए. स्मिथ**	1 अप्रैल, 1935 से 30 जून, 1937 तक
(2)	**सर जेम्स ब्रेड टेलर**	1 जुलाई, 1937 से 17 फरवरी,1943 तक
(3)	**सर चिंतामन डी.देशमुख**	11 अगस्त, 1943 से 30 जून, 1949 तक
(4)	**सर बेनेगल रामा राव**	1 जुलाई, 1949 से 14 जनवरी, 1957 तक
(5)	**के.जी. अम्बेगांवकर**	14 जनवरी, 1957 से 28 फरवरी, 1957 तक
(6)	**एच.वी.आर.अय्यंगार**	1 मार्च, 1957 से 28 फरवरी, 1962 तक
(7)	**पी.सी.भट्टाचार्य**	1 मार्च, 1962 से 30 जून, 1967 तक
(8)	**एल.के. झा**	1 जुलाई, 1967 से 3 मई, 1970 तक
(9)	**बी.एन. अडारकर**	4 मई, 1970 से 15 जून, 1970 तक (अंतरिम)
(10)	**एस.जगन्नाथन**	16 जून, 1970 से 19 मई, 1975 तक
(11)	**एन.सी.सेन गुप्ता**	19 मई, 1975 से 19 अगस्त, 1975 तक
(12)	**के.आर. पुरी**	20 अगस्त, 1975 से 2 मई, 1977 तक
(13)	**एम.नरसिंहम**	2 मई, 1977 से 30 नवंबर, 1977 तक
(14)	**डॉ. आई.जी.पटेल**	1 दिसंबर, 1977 से 15 सितंबर, 1982 तक
(15)	**डॉ. मनमोहन सिंह**	16 सितंबर, 1982 से 14 जनवरी, 1985 तक
(16)	**ए.घोष**	15 जनवरी, 1985 से 4 फरवरी, 1985 तक
(17)	**आर.एन.मल्होत्रा**	04 फरवरी,1985 से 22 दिसंबर, 1990 तक
(18)	**एस. वेंकटरामानन**	22 दिसंबर, 1990 से 21 दिसंबर, 1992 तक
(19)	**डॉ. सी.रंगराजन**	22 दिसंबर, 1995 से 22 नवंबर, 1997 तक
(20)	**डॉ. बिमल जलान**	22 नवंबर, 1997 से 5 सितंबर, 2003 तक
(21)	**डॉ. वाई.वी.रेड्डी**	6 सितंबर, 2003 से 5 सितंबर, 2008 तक
(22)	**डॉ.डी सुब्बाराव**	5 सितंबर, 2008 से अब तक